सेन्ट्रल जोन इंश्योरेंस एम्पलाईज एसोसियेशन

(ए.आई.आई.ई.ए. से संबद्ध)

33, प्रभांजलि, आर.डी.ए. कालोनी, टिकरापारा, रायपुर (छ.ग.)

अध्यक्ष : का. एन. चक्रवर्ती

महासचिव : का. डी. आर. महापात्र

परिपत्र क्र. : 2/2018

दिनांक : 21/01/2018

मध्य क्षेत्र के समस्त साथियों के नाम

प्रिय साथियों ,

विषय : सीजेडआईईए सचिव मंडल की बैठक संपन्न

दिनांक 14 जनवरी 2018 को सीजेडआईईए सचिव मंडल की बैठक अध्यक्ष का.एन.चक्रवर्ती की अध्यक्षता में भोपाल में संपन्न हुई। इस बैठक में सर्वप्रथम ए.आई.आई.ई.ए. के पूर्व महासचिव व अध्यक्ष काम. एन.एम.सुंदरम् ,वरिष्ठ ट्रेड यूनियन नेता व पूर्व सांसद का.सुकोमल सेन, वरिष्ठ कहानीकार जलेस के अध्यक्ष का. दूधनाथ सिंह, गुजरात के वरिष्ठ वामपंथी नेता व स्वंतत्रता सेनानी का. सुबोध मेहता, पूर्व सांसद व किसान नेता का. नुरूल हुदा, श्री ब्रम्हदेव शर्मा, अभिनेता शशिकपूर, पत्रकार गौरी लंकेश, आतंकवादी हमलों में शहीद जवानों, देश में गौरक्षा, लव जिहाद जैसी सांप्रदयिक हिंसा में मारे गये आम नागरिकों को दो मिनट का मौन रखकर विनम्र श्रद्धांजलि अर्पित की गई।

बैठक में जून 2017 में सीजेडआईईए की विगत सचिव मंडल बैठक तथा एआईआईईए की जुलाई में सूरत की कार्यकारिणी समिति की बैठक के बाद से लेकर अब तक विश्व जगत के साथ ही देश, उद्योग व हमारे आस- पास के परिवेश में आये बदलावों का व्यापक विश्लेषण किया गया। बैठक में इस अवधि में सीजेडआईईए की विभिन्न मंडलों की गतिविधियों तथा सीजेडआईईए व एआईआईईए के द्वारा किये गये आव्हानों के अमल की भी समीक्षा की गई। इन विभिन्न विषयों पर विस्तृत चर्चा के बाद सचिव मंडल ने निम्न निर्णय लिये-

सचिव मंडल का यह दृढ़ मत था कि तमाम दावों के बावजूद 2008 से प्रारंभ हुये वैश्विक मंदी की काली छाया आज भी जारी है। अक्टूबर 2017 मे आईएमएफ द्वारा जारी वर्ल्ड इकॉनामिक आउटलुक रिपोर्ट ने 2018 में विश्व आर्थिक वृद्धि मात्र 3.7 प्रतिशत का अनुमान किया है जो उनके पूर्व के अनुमान से मात्र 0.1 प्रतिशत अधिक है। इस धीमी वृद्धि से घटते निवेश और अतंत: उससे बरोजगारी के बढ़ने का संकेत है। मंदी की मार विश्व मेहनतकशों पर ही सर्वाधिक पड़ी है और विश्व स्तर पर श्रमिकों के सामाजिक हितलाभ में भारी कटौतियां थोपकर पूंजीवाद अपने मुनाफे बनाये रखने की ही कोशिश में जुटा है, जिसके चलते आय की असमानता की खाई और चौड़ी हुई है। अमरीकी साम्राज्यवाद की युद्धोन्मादी नीतियां भी और तीव्र हुई है। सीरिया, ईरान उनके निशाने पर है।

हाल ही में उसने एकतरफा ढंग से येरूशमल को इजरायल की राजधानी के रूप में मान्यता का ऐलान कर दिया, हालांकि उसे इस पर संयुक्त राष्ट्रसंघ में मुंह की खानी पड़ी। सचिव मंडल ने नोट किया कि अमरीका सहित समूचे विश्व में मेहनतकशों का इन प्रतिगामी आक्रमणों के खिलाफ प्रतिरोध भी तेज हुआ है। यूरोप के कई देशों व लातिन अमेरिका में भी दक्षिणपंथ व वामपंथ के बीच संघर्ष मुखर हुआ है। नेपाल में कम्युनिस्ट पार्टियों के संयुक्त गठबंधन ने हाल के चुनावों में जबर्दस्त जीत दर्ज की है। सचिव मंडल ने विश्वास व्यक्त किया कि आगामी दिनों में विश्वस्तर पर मेहनतकशों का यह संघर्ष और तेज होगा।

सचिव मंडल ने नोट किया कि वर्तमान केन्द्र सरकार आक्रामकता के साथ नवउदारवादी नीतियों के वैश्विक स्तर पर त्रासदपूर्ण अनुभवों से सबक लेने की बजाय उसे आगे बढ़ाने में ही लगी है। अमरीकी साम्राज्यवाद के जूनियर पार्टनर के रूप में आगे बढ़ने की उसकी विदेश नीति और रणनीतिक गठजोड़ की मुहिम यही इंगित करते हैं। नोटबंदी के कहर और उसके बाद बिना किसी पूर्व तैयारी के जीएसटी लागू करने के बाद अर्थव्यवस्था चौतरफा संकट की गिरफ्त में है। सरकार ने हाल ही में एयर इंडिया में 49 प्रतिशत, तो एकल ब्रांड खुदरा व्यापार में 100 प्रतिशत एफडीआई बिना किसी इजाजत के आटोमेटिक रूट से आने की स्वीकृति दे दी है।

नीति आयोग ने बड़े पैमाने पर सार्वजनिक संस्थाओं की नीति निर्धारक इकाई में निजी क्षेत्र को प्रतिनिधित्व के साथ ही सार्वजनिक उद्योग में बड़े पैमाने पर विनिवेश व बंदी का ऐलान किया है। इससे बेरोजगारी, भुखमरी और कृषि क्षेत्र में किसान आत्महत्याओं की दरों में भारी वृद्धि हो रही है। केन्द्र सरकार 2 करोड़ रोजगार प्रतिवर्ष उत्पन्न करने, किसानों को लागत मूल्य का डेढ़ गुना समर्थन मूल्य देने, भ्रष्टाचार पर रोक लगाने आदि नारों के अमल में पूरी तरह से विफल रही है। जिसके चलते इस सरकार के खिलाफ असंतोष गहरा हुआ है। इस असंतोष से ध्यान भटकाने के लिये वह गौरक्षा, लव जिहाद, मदिर-मस्जिद जैसे नारे उछालकर सांप्रदायिक विभाजन की मुहिम चला रही है। दलितों, अल्पसंख्यकों विरोधी हिंसा

और हर स्तर पर सांप्रदायिक ताकतों की घुसपैठ के जरिये हमारी साझी विरासत के ताने-बाने को ही छिन्न-भिन्न करने की कोशिशें तेज हुई हैं। हालांकि देशभर में केन्द्र सरकार की नीतियों के खिलाफ व्यापक प्रतिरोध भी तीखा हुआ है। 9 से 11 नवंबर 2018 को मजदूरों के ऐतिहासिक दिल्ली महापड़ाव तथा 187 किसान संगठनों के 20,21 नवंबर 2018 को दिल्ली में ऐतिहासिक आंदोलन और देश के अनेक हिस्सों में मजदूरों-किसानों के उभरते संघर्षों में भी यह प्रतिध्वनित हुआ है। सचिव मंडल ने नोट किया कि तमाम प्रतिरोध के बावजूद केन्द्र सरकार ने आम बीमा के जीआईसी-री, न्यू इंडिया एंश्योरेंस के शेयरों के विनिवेश का निर्णय लिया। यह सरकार राष्ट्रीयकृत बीमा उद्योग को कमजोर करने की मुहिम चलाये हुये है, जिसके विरूद्ध व्यापक अभियान, हमें जारी रखना होगा। सचिव मंडल ने इस परिप्रेक्ष्य में संगठनात्मक स्तर पर निम्न कार्यवाहियों का आव्हान किया।

जारी रहे अभियान-

1.- सचिव मंडल ने राष्ट्रीयकृत बीमा उद्योग की हिफाजत में, मध्य क्षेत्र में बीमा धारकों, अभिकर्ताओं को संगठित करने विगत वर्ष विभिन्न मंडलों में चलाये गये अभियानों की सराहना करते हुये सभी मंडलों में अभिकर्ताओं के प्रोत्साहन व संवाद कार्यक्रम, बीमाधारकों की समस्या के समाधान हेतु विशेष बीमा सेवा पखवाड़ा, बंद पालिसियों के रिनिवल हेतु विशेष अभियान के साथ ही व्यापक प्रचार अभियानों को जारी रखने का आव्हान किया।

2.- सचिव मंडल ने बीमा प्रीमियम पर जीएसटी समाप्त करने के सवाल पर बीमा धारकों व आमजनों के मध्य हस्ताक्षर अभियान की समीक्षा करते हुये इस अभियान में शानदार भूमिका के लिये भोपाल मंडल के साथियों को बधाई दी। सचिव मंडल ने रायपुर, शहडोल मंडल के साथियों को भी विशेष पहल के लिए बधाई देते हुए इस अभियान में योगदान के लिए मध्य क्षेत्र के साथियों का अभिनंदन किया। मध्य क्षेत्र में भोपाल 1,18,591, रायपुर 1,05,698, शहडोल 71,328, जबलपुर 69,835, इंदौर 65,000, बिलासपुर 29,531, ग्वालियर 26,500, सतना 22,700 कुल 5,09,183 हस्ताक्षर एकत्र किये गये। इस अभियान के दौरान 3 लाख से अधिक पर्चे वितरित किये गये व जनता के हर हिस्से से भी इसे समर्थन मिला। सचिव मंडल ने यह भी नोट किया कि इस अभियान में कुछ कमियां भी रही अन्यथा हमारा प्रदर्शन और बेहतर हो सकता था, जिसे भविष्य में दुरूस्त किया जाय। सचिव मंडल ने शीघ्र ही म.प्र. व छ.ग. के जीएसटी कौंसिल के सदस्य, राज्य सरकार के प्रतिनिधियों को यह ज्ञापन देने का निर्णय लागू कर लिये जाने का भी आव्हान किया।

3- सचिव मंडल ने एआईआईईए कार्यकारिणी समिति के निर्णयानुसार 1- निजीकरण व रोजगार हीनता-नवउदारवादी एजेंडा 2- खाद्य सुरक्षा व सार्वभौम सार्वजनिक वितरण प्रणाली 3- मेहनतकशों की एकता-विकास की बुनियाद इन तीनों में से प्रत्येक विषयों पर विभिन्न कार्यक्रमों के अमल की भी समीक्षा की। सचिव मंडल ने जिन मंडलों में इस पर पहलकदमी हुई उसकी सराहना करते हुये आगामी तीन माह में प्रत्येक विषय पर अन्य ट्रेड यूनियनों के साथ समन्वय बनाकर मंडल/शाखा स्तर पर परिचर्चा, विचार गोष्ठी, कन्वेशन, सभा, पर्चा वितरण नुक्कड़ सभा इत्यादि कार्यक्रम आयोजित करने तथा इसे सतत रूप से जारी रखने का आव्हान किया।

4.- सचिव मंडल ने 21 नवंबर 2017 को सेन्ट्रल जोन इन्श्योरेंस एम्पलाईज एसोसियेशन के 25 वर्ष (रजत जयंती) पूर्ण होने पर मध्य क्षेत्र के समस्त बीमा कर्मियों को क्रांतिकारी शुभकामनायें दी व अभिनंदन किया। सचिव मंडल ने नोट किया कि निर्णयानुसार सभी मंडलों में ध्वजारोहण, मिष्ठान वितरण, सांस्कृतिक कार्यक्रम परिवार मिलन व अन्यान्य कार्यक्रम इस अवसर पर आयोजित किये गये। भोपाल, रायपुर,जबलपुर में निर्णयानुसार मंडल स्तरीय ट्रेड यूनियन कक्षा का आयोजन किया गया। सचिव मंडल ने जिन मंडलों में मंडलीय ट्रेड यूनियन शिविर नहीं हुये हैं वहां, अप्रैल माह के प्रथम पखवाड़े तक यह कर लेने तथा अप्रैल माह के 22,23,24 अप्रैल को इंदौर में क्षेत्रीय ट्रेड यूनियन शिविर आयोजित करने का निर्णय लिया। इस शिविर में सीजेडआईईए की कार्यकारिणी समिति के सदस्य तथा सभी मंडलीय इकाईयों के सचिवालयीन सदस्य हिस्सा लेंगे।

5.- सचिव मंडल ने जुलाई माह में कार्यकारिणी समिति की बैठक ग्वालियर में आयोजित करने का फैसला लिया।

6.- सचिव मंडल ने इन्श्योरेंस वर्कर आंदोलन की खबर के सदस्यता नवीनीकरण का कार्य नियत समय पर पूर्ण कर प्रेषित किये जाने के साथ ही 31 मार्च तक पंजीयक ट्रेड यूनियन को आवश्यक रूप से वार्षिक विवरण जमा करा दिये जाने का भी आव्हान किया।

7.- जैसा कि आपको विदित है कि विपरीत आर्थिक परिस्थिति मे भी राष्ट्रीयकृत भारतीय जीवन व आम बीमा कंपनियों के अद्भुत प्रदर्शन की पृष्ठभूमि में 1.08.2017 से देय मांगपत्र, जिसे एआईआईईए की सूरत कार्यकारिणी समिति में अंतिम रूप दिया गया था, 2 अगस्त 2017 को यह मांगपत्र निगम अध्यक्ष को एआईआईईए द्वारा सौंप दिया गया है। सचिव मंडल ने इस मांगपत्र को हासिल करने के लिये प्रत्येक स्तर पर संगठन को सांगठनिक रूप से सशक्त बनाकर एआईआईईए के नेतृत्व में संघर्ष की तैयारी में जुटने का आव्हान किया।

हमें विश्वास है कि मध्य क्षेत्र के समस्त साथी इन आव्हानों को सफल बनायेंगे।

क्रांतिकारी अभिवादन के साथ...

आपका साथी

(डी.आर. महापात्र)

महासचिव